

Padma Shri



PROF. NAJMA AKHTAR

Prof. Najma Akhtar acclaimed as a leading Educational Administrator and Institution Builder, is the first woman Vice Chancellor of Jamia Millia Islamia (JMI) in over hundred years of its existence. Famed for bringing transformation in delivery of Quality Education and Experiential Learning in sync with the evolving pedagogy, technology and innovation, Prof. has initiated measures for the realization of the objectives of National Education Policy (NEP)-2020 to bring about far-reaching reforms in both School and Higher Education system.

2. Born on 13th November, 1953, Prof. Akhtar is a Gold Medallist in M.Sc. (Botany) and M. A. (Education). She holds an M.Phil. (Botany) and Ph. D (Education). She earned international accolades, including Commonwealth fellowship for administrative training and studied in prestigious international institutes such as University of Warwick and Nottingham UK and IIEP UNESCO, Paris.

3. Known for her academic vision and commitment to planning and development Prof. Akhtar has launched pioneering projects in JMI tempered with constancy, determination and democratic ideals. She continues to consolidate and upgrade the infrastructural landscape of JMI by giving it a modern contemporary look. She strives to bring Gender Equity and Women Empowerment by encouraging young girls and women to break the glass ceiling. Today, many statutory positions in JMI are held by women.

4. With over four decades of academic scholarship and educational leadership, Prof. Akhtar proved her credentials by spearheading International Educational Administrators' course in her earlier appointments in AMU and NIEPA. The first Woman Controller of Examination and Director of Academic Programmes at AMU, she headed and conducted various national and international research projects and also served as a Team Leader of UNESCO research projects. She has published extensively and participated in numerous national and international conferences.

5. With her broad educational and social perspectives, Prof. Akhtar engages all stakeholders meaningfully, enabling them to help JMI make impressive strides and attain national objectives of education. She is a member of committees such as Expert Group on NEP, HLEC on NCC, MoD, National Steering Committee, MoE, Senate IIT Delhi, General Assembly ICCR, National Academic Advisory Committee Indian Social Science Academy, University Council Cluster University, Sri Nagar, Member Governing Council and AIU. She has promoted internationalization of education by forging and strengthening academic collaborations with the universities in USA, Europe, Asia, South America and Australia. A recipient of scholarships, fellowships, Commonwealth Administrative Fellowship, National Awards, she chooses to lead by example, unwavering conviction and profound interest in the welfare of JMI, community and nation.

पद्म श्री



प्रो. नजमा अख्तर

प्रो. नजमा अख्तर एक प्रमुख शैक्षिक प्रशासक और संस्थान निर्माता के रूप में जानी जाती हैं, वे जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई) के अस्तित्व के सौ सालों में उसकी पहली महिला कुलपति हैं। बदलते शिक्षाशास्त्र, प्रौद्योगिकी और नवाचार के साथ तालमेल में गुणवत्तापूर्ण और अनुभवजन्य शिक्षा प्रदान करने में कायाकल्प लाने के लिए प्रो. अख्तर ने स्कूली और उच्च शिक्षा प्रणाली दोनों में दूरगामी सुधार लाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) –2020 के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कदम उठाए हैं।

2. 13 नवंबर, 1953 को जन्मी प्रो. अख्तर एमएससी (वनस्पति विज्ञान) और एम.ए. (शिक्षा) में गोल्ड मेडलिस्ट हैं। उनके पास एम.फिल. (वनस्पति विज्ञान) और पीएच.डी (शिक्षा) की डिग्री भी है। इन्होंने प्रशासनिक प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रमंडल फेलोशिप सहित अंतरराष्ट्रीय तौर पर सराहना पाई और वारविक यूनिवर्सिटी तथा नॉटिंगहम यूके और आईआईटीपी यूनेस्को, पेरिस जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में अध्ययन किया।

3. अपनी अकादमिक दृष्टि और योजना व विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए विख्यात प्रो. अख्तर ने जामिया में निरंतरता, दृढ़ संकल्प और लोकतांत्रिक आदर्शों के साथ मार्गदर्शी परियोजनाएं शुरू की हैं। ये इसे एक आधुनिक समकालीन रूप देते हुए जामिया के बुनियादी ढांचे को मजबूत और उन्नत बना रही हैं। इन्होंने युवा लड़कियों और महिलाओं को वर्जनाएं तोड़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण लाने की कोशिश की है। आज जामिया में कई वैधानिक पदों पर महिलाएं आसीन हैं।

4. चार दशकों से अधिक की अकादमिक विद्वता और शैक्षिक नेतृत्व के साथ, प्रो. अख्तर ने एएमयू और एनआईआईपी में अपनी पिछली नियुक्तियों में अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक प्रशासकों के कोर्स का नेतृत्व करके अपनी साख साबित की। एएमयू में पहली महिला परीक्षा नियंत्रक और अकादमिक कार्यक्रमों की निदेशक रहते हुए, इन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाओं का नेतृत्व और संचालन किया तथा यूनेस्को शोध परियोजनाओं की एक टीम लीडर के रूप में भी काम किया। इनके बहुत से लेख प्रकाशित हुए हैं और इन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है।

5. अपने व्यापक शैक्षिक और सामाजिक दृष्टिकोण के साथ, प्रो. अख्तर सभी हितधारकों को सार्थक रूप से काम पर लगाते हुए उन्हें जेएमआई की प्रभावशाली प्रगति और शिक्षा के राष्ट्रीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने में सक्षम बनाती हैं। वह एनईपी पर विशेषज्ञ समूह, एनसीसी पर एचएलईसी, रक्षा मंत्रालय, राष्ट्रीय संचालन समिति, विदेश मंत्रालय, सीनेट आईआईटी दिल्ली, महासभा आईसीसीआर, राष्ट्रीय शैक्षणिक सलाहकार समिति, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, विश्वविद्यालय परिषद, क्लस्टर विश्वविद्यालय, श्री नगर, शासी परिषद और एआईयू जैसी समितियों की सदस्य हैं। इन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, एशिया, दक्षिण अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग को मजबूत बनाते हुए शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा दिया है। वह कई छात्रवृत्तियां, फेलोशिप, कॉमनवेल्थ एडमिनिस्ट्रेटिव फेलोशिप, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुकी हैं और उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व करती हैं, जामिया, समुदाय और राष्ट्र के कल्याण में उनका अटूट विश्वास और गहरी रुचि है।